

SHRI SAYYAD SHABBIR ALIAS CHABBU SAYYAD BUDHAN

Shri Sayyad Shabbir alias Chabbu Sayyad Budhan is a Cowtaker (Cowherd). He is totally illiterate but gives the sense of humanity & kindfulness towards animal.

2. Born on January 1, 1947 at Dahiwandi, Dist. Beed, Haryana, Shri Shabbir belongs to a common family. When he was three months old, his mother passed away. That time his father had only two cows. His father nourished him by feeding cow milk. When Shri Shabbir was 19 years old, he took motivation from his father to protect cows.

3. From that event Shri Shabbir worked as cowtaker for 60 years in drought ridden region of Marathawada. He not only takes care of cows but also maintains balance of nature by feeding birds & animals. His wife alongwith his two sons and two daughter-in-laws help him devotedly in his work.

4. Shri Shabbir started the practice of cattle rearing with two cows and presently he is taking care of 120 cows and cattle. He does not earn money by selling cow milk. Moreover, he sells bulls only for agricultural use in farms.

5. Shri Shabbir gives a message of secularity & humanity to the society. He has set himself as a rare example in the field of cow protection. He is a great social activist of Maharashtra. He is known for his works towards welfare of animals and cow protection.

श्री सय्यद शब्बीर उर्फ छबु सय्यद बुढण



श्री सय्यद शब्बीर उर्फ छबु सय्यद बुढण एक गौसेवक हैं। आप पूरी तरह निरक्षर हैं किंतु पशुओं के प्रति दया एवं करुणा की भावना से ओत-प्रोत हैं।

2. आपका जन्म 1 जनवरी, 1947 को दहीवांडी, जिला बीड, हरियाणा में एक सामान्य परिवार में हुआ। जब आप 3 वर्ष के थे आपकी माता जी का निधन हो गया। उस समय आपके पिता के पास केवल दो गायें थीं। आपके पिता ने आपको गाय का दूध पिलाकर पाला-पोसा। जब आप 19 वर्ष के थे, आपने अपने पिता से गायों की रक्षा की प्रेरणा ली।

3. उस घटना के पश्चात आपने मराठवाड़ा के सूखाग्रस्त क्षेत्र में 60 वर्षों तक गौसेवक के रूप में कार्य किया। आप न केवल गौसेवा करते हैं बल्कि पशु एवं पक्षियों को दाना-पानी देकर प्रकृति का संतुलन भी बनाये रखते हैं। आपके दो पुत्रों और दो पुत्रवधुओं के साथ ही आपकी पत्नी भी आपको इस कार्य में पूर्ण समर्पण भाव से सहयोग कर रही हैं।

4. आपने दो गायों के साथ पशुपालन आरंभ किया और वर्तमान में आप 120 गायों तथा पशुओं की देखभाल कर रहे हैं। आप गाय का दूध बेचकर धनोपार्जन नहीं करते हैं। इसके अलावा खेती के उद्देश्य हेतु ही बैलों का विक्रय करते हैं।

5. आप समाज को धर्मनिरपेक्षता एवं मानवता का संदेश देते हैं। आपने स्वयं को गौ संरक्षण के क्षेत्र में एक अद्वितीय उदाहरण के रूप में स्थापित किया है। आप महाराष्ट्र के एक महान सामाजिक कार्यकर्ता हैं। आप पशुओं के कल्याण और गौ संरक्षण के लिए अपने कार्यों के लिए सुविख्यात हैं।